कोटा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

अकेलगढ, रावतभाटा रोड, कोटा – 324 010

ैध्ैध्ै 9001रू2000 – भ्|ब्ब्ट ै 15000रू1998 ब्मतजपपिमक कंपतल

म्.उंपसरू ाविजंकंपतल/लीववण्बवण्पद

प्रस्तावना

कोटा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., कोटा का पंजीयन दिनांक 27.05.1972 को हुआ एवं वर्तमान कार्य क्षेत्र कोटा एवं बून्दीं जिलों तक सीमित है। वर्तमान में कुल 707 प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियाँ पंजीकृत हैं। इन पंजीकृत सहकारी समितियों के अलावा 130 प्रस्तावित दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियाँ कार्यरत है।

कोटा दुग्ध संघ द्वारा वर्तमान में निम्नानुसार जिलेवार ग्रामीण दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का आनन्द पद्वति पर गठन कराकर उन्हे राजस्थान सहकारिता अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत कराया गया है:

01.04.2016 की स्थिति अनुसार

जिला	पंजीकृत समितियां	प्रस्तावित समितियां	कुल समितियां	कार्यषील समितियॉ ;पंजीकृत + प्रस्तावितद्ध
कोटा	292	52	344	217
बूंदी	415	78	493	351
कुल	**707**	**130**	**837**	**568**

इन समितियों/प्रस्तावित समितियों के माध्यम से कोटा दुग्ध संघ द्वारा गत वर्ष 2014–15 में औसतन 80,0140 किलो ग्राम दूध प्रति दिन संकलित कर 1405 बिक्री केन्द्रों के माध्यम से औसतन 62,785 लीटर प्रति दिन की दुग्ध बिक्री की गई है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में संघ द्वारा औसतन 91,832 किलो ग्राम दूध प्रति दिन संकलित कर औसतन 65,400 लीटर प्रति दिन की दुग्ध बिक्री की गई है।

दूध संघ द्वारा दूध बिक्री के साथ साथ घी, छाछ, लस्सी, पनीर, श्रीखण्ड, दही आदि दूध उत्पाद तैयार कर एवं फ्लेवर्ड मिल्क, आईस क्रीम, रसगुल्ला, गुलाब जामुन इत्यादि अन्य संघों से क्रय कर उनकी बिक्री कोटा एवं आस पास के अन्य शहरों/कस्बों में की जाती है। संघ द्वारा दुग्ध उत्पादकों को वर्तमान में 500 रुपये प्रति किलो फेट की दर से दुग्ध का भुगतान किया जा रहा हैं।

कोटा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., कोटा का उद्‌देष्य व्यवसायिक वस्तुओं ;दूधद्ध का प्रभावी उत्पादन, संवरण ;प्रासेसिंगद्ध तथा विपणन के द्वारा ऐसी गतिविधियाँ चलाना जो दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में सहायक हो सकें, इन उद्‌देष्यों की प्राप्ति के लिए दुग्ध संघ द्वारा गाँवों में दुग्ध समितियों का गठन कर दूध का बाजार ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध करा कर उनको प्रतिस्पर्धनात्मक मूल्य एवं समय पर भुगतान कर पशु पालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना एवं संघ/समिति द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाली सुविधाओं से लाभान्वित करना है जिससे कि दूध उत्पादक बिचौलियों की शोषण से मुक्त होकर स्वयं दूध का व्यापार कर सकें एवं शहरों तथा कस्बों में रहने वाले लोगों को शुद्ध ताजा मिलावट रहित पाष्चुरीकृत दूध एवं दुग्ध उत्पाद उचित कीमत पर उपलब्ध हो सकें।

कोटा दुग्ध संघ की कार्य प्रणालीः

01 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन

कोटा दुग्ध संघ के कार्य क्षेत्र के जिलों में आने वाले गाँवों के दुग्ध उत्पादकों के माँग पर उक्त गाँव का सर्वे, ग्राम सभा में सचिव का चयन इत्यादि प्रस्ताव करा कर, दुग्ध मार्ग से जुडने की सम्भावना पर विचार कर, ग्राम में प्रस्तावित दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति प्रारम्भ की जाती है। प्रस्तावित दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति के तीन से छः माह तक सफलता पूर्वक चलने पर उसकी आर्थिक सक्षमता एवं न्यूनतम 18 दूध उत्पादक सदस्य होने पर दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लि. के पंजीकरण की कार्यवाही की जाती हैं।

प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति/प्रस्तावित समिति अपने उद्देष्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यों के साथ अपने कार्य क्षेत्र के दूध उत्पादकों से दूध संकलित कर दूध संघ द्वारा संचालित दुग्ध मार्गों पर लगे दूध वाहनों के माध्यम से दूध कोटा डेयरी प्लांट तक पहूँचाती है। कोटा डेयरी प्लांट द्वारा समितियों से प्राप्त दूध की मात्रा तथा गुणवत्ता की जाँच कर, हर 10 दिवस के बाद समितियों/प्रस्तावित समितियों को दूध का भुगतान चैक/बैंक द्वारा किया जाता है। इसी प्रकार दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियाँ द्वारा भी दुग्ध उत्पादकों को दूध का भुगतान नियमित रूप से हर 10 दिवस बाद किया जाता है। दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति द्वारा दुग्ध उत्पादकों को नियमित रूप से संघ द्वारा बिना लाभ–हानि के प्राकृतिक गर्भाधान, प्राथमिक पशु चिकित्सा, आपातकालीन पशु चिकित्सा, टीकाकरण, कृमिनाष (वेटफेन) श्सरसश पशु आहार, यूरिया मोलासिस ब्रिक्स, मिनरल मिक्चर, चारा बीज, मिनि किट, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं इत्यादि की सुविधायें उपलब्ध कराई जाती है।

समितियों का नियन्त्रण समिति के अध्यक्ष, प्रबन्ध कारणी एवं आम सभा द्वारा किया जाता है। दुग्ध संघ में कार्यरत डेयरी सूपरवाईजर, सहायक परियोजना अधिकारी, परियोजना अधिकारी एवं प्रबन्धक ;पी एण्ड आई द्ध स्तर के अधिकारियों द्वारा समितियों/प्रस्तावित समितियों के गठन, रिकार्ड, समिति संचालन में आने वाली कठिनाईयों का निराकरण एवं व्यवस्था बनाये रखने हेतु दिषा निर्देष देने व सूपरविजन का कार्य किया जाता है।

02 दूध उत्पादकों को उपलब्ध तकनीकी सुविधायेंः

कोटा दुग्ध संघ द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के दुग्ध उत्पादकों को बिना लाभ–हानि/अनुदान पर दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से उसके सदस्यों को निम्न तकनीकी सुविधायें उपलब्ध कराता हैः

1. श्सरसश पशु आहार (सादा, गोल्ड)
2. उन्नत किस्म के चारा बीज/मिनी किट वितरण
3. प्राकृतिक गर्भाधान हेतु पाडा एवं साण्ड वितरण
4. पशुओं का टीकाकरण, क्मिनाष (वेट फेन), मिनरल मिक्चर, यू.एम.बी.
5. प्राथमिक पशु चिकित्सा, आपातकालीन पशु चिकित्सा सेवा, पशु शल्य एवं बाँझनिवारण पशु चिकित्सा कैम्प
6. अधिक एवं स्वच्छ दुग्ध उत्पादन हेतु प्रषिक्षण षिविर
7. पशु पालन एवं चारा उत्पादन हेतु नियमित प्रषिक्षण।

8. प्रचार प्रसार की सामग्री उपलब्ध कराना।

9. प्रगतिषील दुग्ध उत्पादकों का अन्य दुग्ध संघों का भ्रमण/गतिविधियों की जानकारी एंव जागरूकता कार्यक्रम

10. बी.पी.एल. परिवारों की सदस्यता राषि का अनुदान देना।

11. जिला परिषद से अनुदान पर इलेक्ट्रोनिक मिल्को टेस्टर एवं ऑटोमेटिक मिल्को स्टेषन उपलब्ध कराना।

12. जिला परिषद/अन्य एजेन्सियों से अनुदान पर बल्क मिल्क कूलर प्राप्त कर समितियों पर स्थापित करना।

13. मिलावटी दूध जाँच हेतु किट बल्क मिल्क कूलर समितियों को उपलब्ध कराना।

14. पशु पालकों को सम्बन्धित अन्य विभागों से प्राप्त जानकारी उपलब्ध कराना एवं स्वयं सहायता समूहों का गठन करना इत्यादि।

03 दुग्ध प्रोसेसिंग एवं उत्पाद निर्माण

कोटा दुग्ध संघ द्वारा समितियों/प्रस्तावित दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से प्राप्त दूध को डेयरी प्लांट कोटा में अत्याधुनिक मषीनों द्वारा पूर्ण स्वच्छ एवं हाईजनिक वातावरण में प्रोसेस कर पाष्चुराईज्ड दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद पी.एफ.ए. के अनुसार स्टेण्र्डडाईज्ड कर, पैक कर शहर एवं कस्बों में स्थानीय बिक्री हेतु तैयार किये जाते है। तैयार दूध एवं दुग्ध उत्पाद दुग्ध संघ द्वारा स्थापित बिक्री केन्द्रों के बिक्री की व्यवस्था की जाती है।

दुग्ध बिक्री की व्यवस्था

कोटा दुग्ध संघ द्वारा वर्तमान में निम्न चार प्रकार का दूध उनके सामने अंकित पेकिंग एवं दरों पर बिक्री हेतु हर आय वर्ग की आवष्यकता एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्य पर उपलब्ध कराती है।

01.04.2016 की स्थिति अनुसार

दूध का प्रकार	न्यूनतम		थैली का रंग	दर प्रति पैक				
	फेटः	एस. एन. एफः.		6000 मि.ली.	1000 मि.ली.	500 मि.ली.	250 मि.ली.	200 मि.ली.
गोल्ड दूध	6ण्0	9ण्0	नारंगी	₹ 240	₹ 44.00	₹ 24.00	–	–
स्टेण्डर्ड दूध	4ण्5	8ण्5	हरी	–	₹ 40.00	₹ 20.00	–	–
होमोजनाईज्ड सरस चाय स्पेषल दूध	4ण्5	8ण्5	हरी	–	₹ 40.00	..	–	–
टोण्ड दूध	3ण्0	8ण्5	नीली	₹ 198	₹ 34.00	₹ 17.00	₹ 9.00	
डबल टोण्ड दूध	1ण्5	9ण्0	पीली	–	₹ 32.00	₹ 16.00	–	₹ 7.00

कोटा दुग्ध संघ द्वारा कोटा शहर के लगभग हर गली मोहल्ले में दुग्ध बिक्री केन्द्र खोले गये है तथा शेष रहे स्थानों पर भी दुग्ध बिक्री केन्द्र खोलने की प्रयास जारी है। इसी प्रकार कोटा जिले के दीगोद, सुल्तानपुर, सॉंगोद, कैथून, इटावा, रामगंजमण्डी, खैराबाद, डाबादेह, मोडक, सीमलिया एवं पलायता तथा बून्दी जिले के बून्दी, केषवरायपाटन, कापरेन, नैनवा, देई, लाखेरी, तालेडा इत्यादि कस्बों में दूध बिक्री केन्द्र खोले हुये है तथा इन्सुलेटेड वाहन के द्वारा इन बूथों/षॉप एजेन्सियों के माध्यम से बिक्री की जा रही है।

(कृ.प.उ.)

04 वर्तमान में संचालित योजनायें

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आणंद द्वारा कोटा डेयरी के लिए नेषनल डेयरी प्लान फेस प्रथम (छक्च दृ प्) के अन्तर्गत दो प्रोग्राम टठडझ्‌ (टपससंहम ठेंमक डपसा च्तवबनतमउमदज ैलेजमउ) एवं एफ.डी. (थ्वककमत क्मअमसवचउमदज) की स्वीकृति जारी की गई है एवं दोनों योजनाओं के अन्तर्गत संघ द्वारा लक्ष्यों के अनुरूप पूर्ण वेग से कार्यवाही की जा रही है। टठडझ्‌ कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 2.32 करोड रुपये के कार्य स्वीकृत किये गये है जिनमें मुख्यतया अक्रियाषील दुग्ध समितियों को पुर्नजीवित करना एवं नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन कर दुग्ध उत्पादन बढाना है, पशु पालकों को प्रषिक्षण एवं दुग्ध समितियों के विकास से सम्बन्धित योजनायें है। इसके अतिरिक्त फोडर डेवलपमेन्ट (चारा विकास) प्रोग्राम योजना के तहत 2.64 करोड रुपये के कार्यक्रम चलाये जा रहे है। इन योजनाओं के तहत कोटा एवं बून्दी जिले के एक एक समिति पर माईक्रो ट्रेनिंग सेन्टर एवं चारा स्टोर करने का बंकर निर्माण किया जा चुका है जिससे सूखे की समय में भी दुग्ध उत्पादकों को चारा समुचित रूप से उपलब्ध हो सकेगा तथा प्रगतिषील दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध व्यवसाय एवं उच्च तकनीकी पशु पालन से सम्बन्धित अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराने हेतु आणंद भ्रमण इत्यादि किया जा रहा है। इस योजना के तहत अभी तक 185 दुग्ध समितियों का गठन किया जा चुका है। फोडर डेवलपमेन्ट योजना के तहत कोटा दुग्ध संघ में सीड प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण किया जा रहा है जोकि अन्तिम चरण में हैं। यह प्लांट का निर्माण पश्चात् हाडौती क्षेत्र के दुग्ध उत्पादक किसानों को उन्नत किस्म के चारा बीज संघ स्तर पर उपलब्ध कराया जा सकेंगे तथा किसानों द्वारा उत्पादित चारा–बीज का विपणन की व्यवस्था भी कोटा दुग्ध संघ द्वारा उपलब्ध कराने में सक्षम हो जायेंगे जोकि वर्तमान में बीकानेर सीड प्रोसेसिंग यूनिट या राज्य के बाहर चारा–बीज क्रय/विक्रय किया जाता है।

05 भावी योजनायें

राष्ट्रीय डेयरी विकास योजना (छच्क्क) के अन्तर्गत 2439.02 लाख रुपये का एक प्रोजेक्ट केन्द्र सरकार को आर.सी.डी.एफ. के माध्यम से स्वीकृति हेतु प्रेषित किया है जिसमें संघ का हिस्सा 919.01 लाख रुपये तथा अनुदान 1520.01 लाख रुपये का होगा। इस योजना के अन्तर्गत दुग्ध संकलन, कौषल विकास, दुग्ध प्रोसेसिंग व विपणन तथा सूचना तन्त्र विकास के क्षेत्रों में अनेक कार्य कोटा – बून्दी जिले में सम्पन्न करवाये जायेंगे जिससे दुग्ध उत्पादकों को काफी लाभ होगा तथा डेयरी सयंत्र का भी विस्तार एवं विकास किया जाएगा।

दुग्ध संघ की वर्ष 2010–11 से 2015–16 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

YEARWISE PROGRESS REPORT

S. No.	Particulars		2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
1	Registered DCS		482	534	579	642	690	707
2	Registered WDCS		88	101	110	125	170	187
3	DCS Membership		12668	14520	17421	21093	23550	26864
4	WDCS Membership		3476	3938	4746	5575	7052	8877
5	PDCS		217	192	180	141	131	153
6	Functional DCS		345	413	454	463	514	568
7	Functional (DCS+PDCS)		**562**	**605**	**634**	**604**	**645**	**721**
8	No. of DCS having of Electronic Milko Tester	Kota	79	83	83	84	84	101
		Bundi	125	135	138	142	142	182
		Total	**204**	**218**	**221**	**226**	**226**	**283**
9	No. of DCS having installed AMCS/AMCU	Kota	22	22	29	33	33	43
		Bundi	45	52	56	66	66	84
		Total	**67**	**74**	**85**	**99**	**99**	**127**
10	No. of DCS having Bulk Milk Cooler	Kota	4	4	5	6	35	33
		Bundi	21	34	41	44	66	65
		Total	**25**	**38**	**46**	**50**	**101**	**98**
	Milk Procurement (Average/day)		**36910**	**40235**	**53637**	**62860**	**80014**	**91832**
11	Avg.Procurement/(DCS/PDCS)		66	67	85	104	124	127
12	Transportation cost (Paise per kg.)		1.23	1.80	1.50	1.36	1.09	0.86
13	Cattle feed Regular Sale (MT)		291	464	349	337	241	157
14	Cattle feed Gold Sale (MT)		548	1189	1448	1864	2239	2685
15	Bypass Sale (MT)					14	0	340
	Total Cattle Feed Sale (MT)		**839**	**1653**	**1796**	**2215**	**2480**	**3182**
16	Mineral mixture (M T)		0.97	3.35	20.06	21.79	13.45	12.57
17	U.M.B		1474	756	560	1230	0	0
18	Seed sale (qtls.)		160.96	242.73	526.70	691.40	568.10	556.30
19	Animals Treated		14,675	23,745	32,096	41,930	39,265	8,523
20	Buffalo bulls for NS (Purchase)		42	50	60	60	60	0
21	Cow bulls for NS		0	0	1	1	5	7
	Total Bulls for NS		398	50	61	61	65	7
22	**Milk Sale (Ltr./day)**		**58773**	**59756**	**55634**	**57561**	**62782**	**65400**
23	Ghee Sale (MT)		376.49	333.04	498.96	624.72	762.14	1058.99
24	Animals Vaccinated		9996	16170	32334	52005	51573	40062
25	Natural Service		19691	24029	26200	27540	29206	21831
26	Chhach Sale (Kgs.)		144840	173980	183145	214430	294130	543001
27	Lassi Sale (Kgs.)		85480	112803	111380	130584	173250	190080
28	Flavoured milk sale (Kgs.)		33196	18601	14200	20966	16138	1875
29	Shrikhand Sale (Kgs.)		16338	22459	19631	23760	29216	36770
30	Dahi Sale (Kgs.)		83299	112098	99152	120299	168899	214100
31	Paneer (Kgs.)		9250	10282	11408	15980	16955	17023
32	Ghee Production (MT)		314.43	344.73	514.07	586.03	954.72	985.40
33	SMP Reconsitution (MT)		376.49	333.04	506.00	391.75	465.38	677.82
34	**Net Profit/Loss (Rs. in Lac)**		**90.36**	**61.59**	**22.41**	**55.21**	**46.45**	**58.13**